सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 262 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 3 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा गुरु मंत्र है, कभी भी अपने राज दूसरों को मत बताएं। ये आपको बर्बाद कर देगा।

-चाणक्य

बगावत करने वालों पर कार्रवाई करें... 7 | नगर निकाय चुनाव में छोटे दलों... 3 | स्वास्थ्य सेवाओं के बहाने भाजपा... 2

गुजरात चुनाव का बजा बिगुल एक और पांच दिसंबर को मतदान

दो चरणों में होगी वोटिंग, आठ को आएगा परिणाम

» आचार संहिता लागू, 4.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

» पहले चरण में 89 और दूसरे चरण में 93 सीटों पर होगी वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आज गुजरात विधान सभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। यहां दो चरणों में मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पहले चरण का मतदान एक दिसंबर जबकि दूसरे चरण की वोटिंग पांच दिसंबर को होगी। परिणाम आठ दिसंबर को आएगा। इसी दिन हिमाचल प्रदेश के चुनावी नतीजों का भी ऐलान होना है, जहां 12 नवंबर को एक चरण में वोटिंग होगी। गौरतलब है कि गुजरात चुनाव में 2007 से ही दिसंबर में चुनाव होता रहा है और दो चरणों में वोटिंग की परंपरा रही है। चुनाव के ऐलान के साथ ही गुजरात में आचार संहिता लागू हो गई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि गुजरात विधान सभा का कार्यकाल 18 फरवरी को समाप्त हो रहा है, जिसमें करीब 100 दिन बाकी हैं। 10 अक्टूबर को मतदाता सूचियों का प्रकाशन हो चुका है। इस बार 4.9 करोड़ मतदाता गुजरात चुनाव में वोट डालेंगे।

हो सकता है त्रिकोणीय मुकाबला

गुजरात में कुल 182 विधान सभा सीटों पर चुनाव होने हैं। इस बार इस चुनावी मैदान में आप (आम आदमी पार्टी) के आने से त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। पिछली बार भाजपा की 99 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। वहीं कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं।

पहले चरण में 89 सीटों मतदान होंगे जबकि दूसरे चरण में 93 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक अक्टूबर, 2022 तक 18 साल के होने वाले युवाओं को भी वोटिंग का मौका दिया जा रहा है। कुल 4.6 लाख वोटर ऐसे हैं जो पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य में मतदान के लिए कुल 51,782 केंद्र बनाए जाएंगे। मतदान केंद्रों पर पीने के पानी की सुविधा होगी और बुजुर्गों के आराम के लिए वेटिंग एरिया बनाया जाएगा। मतदाता यदि कहीं भी मनी पावर या मसल पावर का इस्तेमाल होता देखते हैं तो वे सी-विजिल ऐप पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यदि किसी उम्मीदवार का आपराधिक बैकग्राउंड है तो पार्टियों को बताना होगा कि उन्हें यही उम्मीदवार क्यों बेहतर लगा। इसके अलावा कैंडिडेट को प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर के मीडिया में अपने बारे में जानकारी प्रकाशित करनी होगी।

2007 से ही दिसंबर में चुनाव होता रहा है और दो चरणों में वोटिंग की रही है परंपरा

गुजरात में केजरीवाल कल सीएम चेहरे का करेंगे ऐलान

गुजरात विधान सभा चुनाव में पहली बार किस्मत आजमा रही आम आदमी पार्टी कल अपने मुख्यमंत्री पद के चेहरे का ऐलान करेगी। अरविंद केजरीवाल कल गुजरात के दौरे पर रहेंगे। वे यहां पार्टी के मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान करेंगे। आज शाम तक गुजरात के लोगों से पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के चेहरे के लिए सुझाव और नाम मांगे गए थे। कल केजरीवाल नाम का औपचारिक ऐलान करेंगे।

बनाए जाएंगे 142 मॉडल पोलिंग स्टेशन

मतदाताओं के अनुभव को बेहतर करने के लिए राज्य में 142 मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके अलावा 1,274 मतदान केंद्र ऐसे होंगे, जहां सिर्फ महिला कर्मियों एवं सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। दिव्यांगों के लिए राज्य में कुल 182 स्पेशल पोलिंग स्टेशन होंगे। वहीं एक पोलिंग स्टेशन ऐसा होगा, जहां सिर्फ एक ही मतदाता है लेकिन उनके मत के लिए भी 15 कर्मियों की टीम जाएगी।

बुजुर्ग और दिव्यांग घर से कर सकेंगे मतदान

80 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों और 40 फीसदी से ज्यादा दिव्यांगता से प्रभावित लोगों को घर से ही बैलेट पेपर के जरिए मतदान की सुविधा मिलेगी। इसके लिए उन्हें फॉर्म 12डी भरना होगा।

उपचुनाव: यूपी समेत छह राज्यों की सात विधान सभा सीटों पर वोटिंग

» गोला गोकर्णनाथ सीट पर भाजपा-सपा में सीधा मुकाबला

» छह नवंबर को आएंगे परिणाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी समेत देश के छह राज्यों की सात विधान सभा सीटों पर उपचुनाव के लिए आज मतदान हुआ। बिहार की मोकामा और गोपालगंज, महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट, हरियाणा की आदमपुर, तेलंगाना की मुनुगोडे, यूपी की गोला गोकर्णनाथ और ओडिशा की धामनगर सीट पर मतदान हुआ। मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उपचुनाव के नतीजे 6 नवंबर को आएंगे।

उपचुनाव में अधिकतर सीटों पर भाजपा और क्षेत्रीय दलों के बीच सीधा मुकाबला है। गोला गोकर्णनाथ विधान सभा के उपचुनाव में मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखा। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा व सपा के बीच है। भाजपा ने अरविन्द गिरि के बेटे अमन गिरि व सपा ने पूर्व विधायक विनय तिवारी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस व बसपा ने यहां से अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं।

अब पुलिस कमिश्नर प्रणाली के दायरे में लखनऊ का ग्रामीण क्षेत्र भी

» नोएडा, वाराणसी और कानपुर में भी लागू होगी प्रणाली

» कैबिनेट ने लगायी मुहर, 22 प्रस्ताव पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कुल 22 प्रस्ताव मंजूर किए गये। निर्णय लिया गया है कि अब लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और नोएडा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होगी।

यूपी कैबिनेट ने लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और नोएडा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। अब लखनऊ पुलिस कमिश्नरी में ग्रामीण क्षेत्र भी आएगा। इसके अलावा बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के एक महानिदेशक होंगे। औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना निवेश प्रोत्साहन नीति को भी मंजूरी मिली है।

सीएम योगी ने श्रीराम कर्मभूमि यात्रा को किया रवाना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर श्रीराम चरण पादुका का पूजन करने के साथ ही श्रीराम कर्मभूमि यात्रा को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथयात्रा भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या के रास्ते बिहार के बक्सर होते हुए जनकपुर तक जाएगी।

» श्रीराम चरण पादुका का किया पूजन, जनकपुर जाएगी यात्रा

स्वास्थ्य सेवाओं के बहाने भाजपा सरकार पर अखिलेश का हमला

» बोले- डिप्टी सीएम की छापेमारी से भी सुधार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के बहाने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निर्देश पर निर्देश देते रहते हैं तो उप मुख्यमंत्री छापेमारी करते रहते हैं। इन सबके बावजूद नतीजे में कोई सुधार नहीं हो रहा है। सरकारी अस्पतालों में हालत वही ढाक के तीन पात वाली है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। अब तक इससे कई मौतें हो चुकी हैं। कई हजार डेंगू केस दर्ज किए जा चुके हैं।

अस्पतालों में बीमारों की कतारें लगी हुई हैं। बुखार, उल्टी, दस्त के मरीज बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं। दिल के मरीजों की देखभाल भी ठीक से नहीं हो पा रही है। भाजपा सरकार ने कोरोना काल में जिस तरह लोगों को अनाथ छोड़ दिया था, वही रवैया इन दिनों भी दिखाई पड़ रहा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि डेंगू के खतरे से भाजपा सरकार जिस तरह जानकर भी अनजान बनी हुई है वह खतरनाक स्थिति है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का जमीनी हकीकत पर कोई ध्यान नहीं है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि पता नहीं मुख्यमंत्री की मशहूर टीम इलेवन और टीम नाइन इस समय कहां हैं? मरीजों की देखभाल सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए पर भाजपा सरकार की प्राथमिकता में तो चुनाव और सत्ता के लिए नई-नई तिकड़म व झूठी बयानबाजी करना भर रह गया है। उधर, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एमएलसी डा. मान सिंह यादव को इलाहाबाद-झांसी और डॉ. रामगोविंद्र प्रजापति को कानपुर-उन्नाव विधान परिषद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी कांग्रेस : खाबरी

» सपा-बसपा बेअसर, बीजेपी को चुनौती पेश कर रही है कांग्रेस

» यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष ने भाजपा व योगी सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कानपुर में कहा कि नगर निकाय चुनाव को लेकर कानपुर और बुंदेलखंड क्षेत्र में कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम कर रहे हैं। खाबरी की मानें तो निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस पार्टी ही असल चुनौती पेश कर रही है। क्षेत्रीय दल बेअसर साबित होंगे। देश में महंगाई, बेरोजगारी से लेकर तमाम मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी ही भारतीय जनता पार्टी को घेर रही है और इनके नेताओं के जुमलों से जनता को बचाएगी।

क्षेत्रीय दल बेअसर साबित होंगे

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि पूरे देश में बीजेपी कांग्रेस को मात दे रही है चाहे वो अन्याय, महंगाई या जीएसटी के मुद्दे हों या फिर जनहित के मुद्दे हो। कोई भी क्षेत्रीय दल जनता की लड़ाई नहीं लड़ रहा। इसी के साथ प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्रीय दल बेअसर साबित होंगे। देश में महंगाई, बेरोजगारी से लेकर तमाम मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी ही भारतीय जनता पार्टी को घेर रही है और इनके नेताओं के जुमलों से कांग्रेस जनता को बचाएगी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि कांग्रेस इस बार निकाय चुनाव में बहुत बेहतर प्रदर्शन करेगी। खाबरी का साफ तौर पर कहना है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी इन चुनाव में कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। कांग्रेस की फौज तैयार है चुनाव में जाने के लिए बीजेपी अपनी तैयारी करें और वो अपनी तैयारी कर रहे हैं। सत्ता पक्ष कुछ भी कह सकता है वह 101 सीटों जीतने का दावा भी कर सकते हैं, हम यह कह सकते हैं कि नतीजे कांग्रेस के पक्ष में आएंगे।

सीएम योगी से अपनी सुरक्षा को बढ़ाने की मांग करेंगे संजय निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने अपनी सुरक्षा में हुई चूक को लेकर कहा कि ये हादसा है या इत्तफाक इसे लेकर वो कुछ नहीं कह सकते हैं। पहले भी उनके कई सारे नेता हादसों के शिकार हुए हैं। संजय निषाद ने यूपी सरकार से खुद की सुरक्षा बढ़ाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वो इस मामले को लेकर सीएम योगी से मुलाकात करेंगे। संजय निषाद ने कहा कि **उन्होंने अपनी सुरक्षा में हुई चूक मामले पर प्रमुख सचिव को अवगत करवा दिया हैं। वो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी इसे लेकर मुलाकात करेंगे और अपनी सुरक्षा को बढ़ाने की मांग करेंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उन्हें निश्चित रूप से उच्च सुरक्षा दिए जाने की जरुरत है।**

दरअसल, पिछले तीन दिनों में योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद की सुरक्षा में दो बार सेंधमारी करने की कोशिश की गई है। बीते सोमवार को बस्ती टोल प्लाजा पर एक एसयूवी का मंत्री संजय निषाद का सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए उनके काफिले में घुस गई थी, जिसकी वजह से उनकी कार भी असंतुलित हो गई, उनकी कार का बैलेंस बिगड़ गया था। हालांकि टोलकर्मियों की सूझबूझ के चलते उनकी कार टोल पर लगे बैरियर से टकराने से बच गई थी। ये पूरी घटना टोल पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी।

उत्तराखंड में सीएम धामी की भी नहीं सुन रहे 'माननीय'

» मुख्यमंत्री के कहने के 15 दिन बाद भी विधायकों ने नहीं भेजे विकास के प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश के सभी 70 विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र के विकास कामों के लिए 10-10 प्रस्ताव मांगे थे। यह प्रस्ताव मांगे तकरीबन 15 दिन से ऊपर का वक्त हो गया है लेकिन जानकारी के मुताबिक अभी तक अधिकतर विधायकों ने मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्ताव नहीं भेजे हैं। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि विधायक अपने क्षेत्र के विकास के लिए कितने चिंतित हैं।

सीएम धामी ने पिछले महीने अक्टूबर में सभी विधायकों से अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों के 10-10 प्रस्ताव मांगे थे ताकि हर विधायक के क्षेत्र में बेहतर तरीके से विकास काम हो सके। इसके लिए बाकायदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो अधिकारियों को नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया था, जिसमें गढ़वाल के विधायकों के प्रस्ताव पर अमल के लिए अपर सचिव ललित मोहन रयाल नोडल अधिकारी बनाए गए और कुमाऊं के विधायकों के प्रस्तावों के निपटारे के लिए नवनीत पांडे को जिम्मेदारी दी गई थी। बता दें कि बहुत कम विधायक हैं जो प्रस्ताव भेज चुके हैं। कई विधायक तो अभी तक अपने प्रस्ताव तक तैयार नहीं कर पाए हैं। इसमें सबसे फिसड्डी बीजेपी के ही विधायक साबित हो रहे हैं। विधायक ही नहीं, बल्कि कई मंत्री ऐसे हैं जो अभी इसकी तैयारी में ही जुटे है हालांकि विधायक दावा कर रहे है कि प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा था कि विधायकों को क्षेत्र में जन समस्याओं के निपटारे और योजनाओं के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए बार-बार देहरादून आना पड़ता है। विधायकों के बार-बार देहरादून आने से विधायकों का जनसंपर्क और क्षेत्र भ्रमण का कार्य प्रभावित होता है।

यूपी के पुलों के लिए फुल प्रूफ प्लान तैयार, हर साल 2 बार होगा निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोरबी में केबल ब्रिज टूटने से हुई दुर्घटना से मची अफरातफरी के बीच उत्तर प्रदेश के लिए राहत की बात यह है कि यहां सेतुओं के रखरखाव और मरम्मत के लिए नीति का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। प्रस्तावित नीति में सेतुओं के रखरखाव और मरम्मत के तौर-तरीकों का खाका खींचने के साथ कहा गया है कि सभी सेतुओं का जीआइएस आधारित डाटाबेस तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित सेतु अनुरक्षण नीति के अनुसार सेतुओं का रूटीन निरीक्षण साल में दो बार किया जाएगा। एक बार बारिश के मौसम से पहले मई और दूसरा वर्षा ऋतु बीतने के बाद नवंबर में। निरीक्षण किस स्तर का अभियंता करेगा, यह सेतु की लंबाई के आधार पर तय होगा। रूटीन निरीक्षण में यदि सेतु या कल्वर्ट में कोई बड़ी या गंभीर किस्म की खामी मिलती है तो उससे एक स्तर ऊपर का अभियंता मुख्य निरीक्षण करेगा। 500 मीटर से अधिक लंबाई के सेतुओं का मुख्य निरीक्षण लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (सेतु) ही करेंगे।

अधिक से अधिक शहरों को बनाएं सेफ सिटी : सीएम योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सेफ सिटी परियोजना अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रदेश के अधिकाधिक शहरों को सेफ सिटी बनाएं। इससे महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संकल्प पूरा होगा। योगी बुधवार शाम अपने आवास पर अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। सीएम ने कहा कि सेफ सिटी परियोजना के माध्यम से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के तहत मॉडर्न कंट्रोल रूम, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केंद्र, सीसीटीवी कैमरे, महिला थानों में परामर्शदाताओं के लिए हेल्प डेस्क, बसों में पैनिक बटन व अन्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता मिली है। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से शहरों की सुरक्षा व्यवस्था स्मार्ट हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकाधिक शहरों को सेफ सिटी बनाएं। खास तौर से 17 स्मार्ट सिटी को सेफ सिटी रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करें। प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश 17 सेफ सिटी वाला पहला प्रदेश हो सकेगा। सीएम ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थित शत्रु संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी आवश्यक है। सूची बनाकर इन्हें अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए गृह विभाग की निगरानी में प्रदेशव्यापी अभियान शुरू करें।

नगर निकाय चुनाव में छोटे दलों की एंट्री, बड़ी पार्टियों की बढ़ी बेचैनी

» आप और एआईएमआईएम ने ठोकी ताल, तेज की तैयारियां

» सभी सीटों पर लड़ेगी आम आदमी पार्टी, सेक्युलर दलों का बिगड़ सकता खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर नगर निकाय चुनाव में बड़े दल ताल ठोक रहे हैं तो दूसरी ओर छोटे दल भी किस्मत आजमाने उतर रहे हैं। निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप), ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने ताल ठोक दी है। इससे बड़े दलों की बेचैनी बढ़ गयी है। विशेषकर उन दलों में बेचैनी अधिक है जो सेक्युलर कहे जाते हैं और मुस्लिम वोटर उनके साथ अधिक जुड़ा हुआ है।

उत्तर प्रदेश की सियासत में दो तरीके के वोट बैंक हैं। एक भाजपा के साथ है जो भाजपा को जीतना चाहता है तो दूसरा भाजपा के विरोध में है। यूपी में नए सियासी दलों के आने से सेक्युलर दलों के वोट में सेंध लगने की उम्मीद जताई जा रही है क्योंकि भाजपा का मजबूत वोट बैंक है जो कहीं और ट्रांसफर होता नहीं दिख रहा है। नगर निकाय चुनाव को लेकर आप ने सभाजीत सिंह को चुनाव समिति का अध्यक्ष बनाया है। वह लोगों को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिला रहे हैं। इसके साथ ही पार्टी के नगर निगम चुनाव मजबूती से लड़ने की बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश में केजरीवाल मॉडल को जनता पसन्द कर रही है। इसके साथ ही एआईएमआईएम ने प्रत्याशियों का ऐलान शुरू कर दिया है। बरेली, रामपुर, मुरादाबाद आदि जिलों की निकाय में कई प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। आप ने नगर निकाय चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी आज से दस नवंबर तक यूपी में गंदगी हटाओ, झाड़ू चलाओ यात्रा निकालेगी। सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में यह यात्रा आप कार्यकर्ता निकालेंगे। नगर निकाय चुनाव में आप सभी सीटों पर पूरी ताकत के साथ उतरेगी। पार्टी ने पार्षद, महापौर व चेयरमैन पदों पर चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों के लिए आवेदन फार्म भी जारी किए हैं। यह आवेदन फार्म निशुल्क मिल रहे हैं। आवेदन करने वाले लोगों में से योग्य उम्मीदवार का चयन प्रदेश चुनाव समिति ट्रिपल सी फार्मूले पर करेगी। ट्रिपल सी करप्शन, करेक्टर व क्रिमिनल से है, यानी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोप न हों, साफ-सुथरा चरित्र हो और उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड न हो तभी वह टिकट पा सकेगा।

सपा-बसपा और कांग्रेस के वोट बैंक में लग सकती सेंध

आप और एआईएमआईएम के नगर निकाय चुनाव में उतरने से सबसे अधिक प्रभाव सपा-बसपा और कांग्रेस के वोट बैंक पर पड़ेगा। मुस्लिम वोटरों को लेकर सपा-बसपा के बीच रस्साकशी चल रही है। बसपा मुखिया मायावती लगातार मुस्लिमों के मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेर रही हैं। हालांकि विधान सभा चुनाव में अधिकांश मुस्लिम वोटरों ने सपा को अपना समर्थन दिया था। ऐसे में सपा को एक ओर बसपा तो दूसरी ओर आप और एआईएमआईएम से अपने वोट बैंक में सेंधमारी से निपटने की चुनौती है।

एनसीपी भी मैदान में

भाजपा की धुर विरोधी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) भी पहली बार यूपी में नगर निकाय के चुनाव में उतरेगी। हालांकि एनसीपी यूपी में पहले विधान सभा चुनाव में अपना हाथ आजमा चुकी है लेकिन उसे खास सफलता नहीं मिली थी लेकिन अब उसने निकाय चुनाव में भाजपा के खिलाफ उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। एनसीपी के चीफ शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) उत्तर प्रदेश में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी केके शर्मा ने कहा कि यूपी में स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने का पार्टी का निर्णय 2024 के आम चुनावों से पहले राज्य में एक मजबूत स्थिति में होने की आवश्यकता के कारण है। यूपी से बड़ा कोई स्टेट नहीं है इसलिए यहां चुनाव में उतरना जरूरी है। इस बार एनसीपी बड़े पैमाने पर 2024 के चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी। सदस्यता अभियान चल रहा है। नए लोगों को जोड़ा जा रहा है। एनसीपी ने पहली बार 2001 से यूपी में पैठ बनाना शुरू किया था। हालांकि पिछले महीने ही एनसीपी ने अपनी यूपी इकाई का पुनर्गठन किया था और 73 सदस्यीय राज्य कार्यकारी समिति का गठन किया था। इस समिति में प्रदेश अध्यक्ष के अलावा 22 उपाध्यक्ष, 24 महासचिव, 11 सचिव और 15 सदस्य शामिल थे। सदस्यों को यूपी के सभी क्षेत्रों से लिया गया है। इसमें अधिकतम पूर्वांचल से हैं क्योंकि पूर्वांचल ही वह गढ़ है जहां से ज्यादा संख्या में लोग महाराष्ट्र में रोजगार के लिए गए हैं। हालांकि यूपी के हर जिले में विस्तार की कोशिश में पार्टी जुटी हुई है।

योगी सरकार का मास्टर प्लान, अब हर नगर निकाय में होगी नागरिक सुरक्षा की इकाई

» नगर निकाय की व्यवस्थाएं सुधारने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उठाया बीड़ा

» आग की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने नगर निकाय चुनाव से पहले निकायों को और मजबूत बनाने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था के साथ आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत करना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता है। सीएम योगी ने सभी नगर निकायों में नागरिक सुरक्षा की इकाइयां गठित किए जाने का निर्णय किया है। साथ ही जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों की समस्या से लेकर आग की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अग्निशमन विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग तथा कारागार विभाग की समीक्षा की और कई कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सौहार्द व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्तमान में प्रदेश के 27 जिलों में नागरिक सुरक्षा इकाइयां गठित हैं। इनकी उपयोगिता को देखते हुए सभी नागरिक सुरक्षा की इकाइयों का विस्तार सभी जिलों में किया जाना आवश्यक है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को आधार मानकर नागरिक सुरक्षा इकाइयों का पुनर्गठन किया जाए। जिसके बाद प्रदेश में नागरिक सुरक्षा की साढ़े सात सौ से अधिक इकाइयां क्रियाशील हो सकेंगी। योगी ने इसके लिए गृह विभाग के साथ समन्वय बनाकर जल्द आवश्यक कार्यवाही पूरी किए जाने का निर्देश दिया है। कहा है कि नवीन इकाइयों के सुचारु क्रियान्वयन के लिए आवश्यक वित्तीय प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जाएगा। योगी ने यह भी अधिकारियों से कहा कि अग्निशमन कर्मियों की सुरक्षा व उच्चस्तरीय अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता के लिए एक विशेष निधि-कोष की स्थापना का भी प्रयास किया जाए। योगी ने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत स्थापित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से शहरों की सुरक्षा व्यवस्था व यातायात प्रबंधन बेहतर हुआ है। अंतरविभागीय समन्वय से वित्तीय प्रबंधन करते हुए अधिक से अधिक शहरों को सेफ सिटी बनाने के प्रयास भी हों।

भविष्य की जरूरतों को देखते हुए तैयार करें कार्ययोजना

सीएम योगी ने कहा कि आग लगने की घटनाओं में अग्निशमन कर्मियों का सेवा भाव प्रेरक है। भविष्य की जरूरत को देखते हुए अग्निशमन विभाग को आपदा प्रबंधन की कार्य योजना तथा आपात सेवा के रूप में स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार के माडल बिल आन मेंटेनेंस ऑफ फायर एंड इमरजेंसी सर्विस, 2019 की तर्ज पर राज्य के माडल फायर एंड इमरजेंसी बिल को जल्द तैयार किये जाने का निर्देश भी दिया। कहा कि बहुमंजिली इमारतों में प्रत्येक दशा में अग्नि सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त होने चाहिए। ईज आफ डूइंग बिजनेस की नीति के अनुरूप भवन स्वामी द्वारा हर छह माह के अंतराल पर स्व-प्रमाणापत्र की व्यवस्था, भवनों के प्रकार के अनुसार फायर सेफ्टी आफिसर का प्रावधान तथा वार्षिक थर्ड पार्टी आडिट की व्यवस्था को लागू किए जाने का निर्देश भी दिया।

मंत्री संजय निषाद ने सीएम योगी से मांगी सुरक्षा

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने सरकार से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। दरअसल बीते सोमवार को योगी सरकार के मत्स्य मंत्री संजय निषाद के काफिले में एक एसयूवी गाड़ी अचानक घुस गई थी। इसकी वजह से संजय निषाद की गाड़ी अनियंत्रित हो गई थी। वहीं इस घटना को लेकर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि मछुआ समुदाय के जितने भी नेता आते हैं और वो इस समुदाय को इकट्ठा करके उनके हिस्सेदारी की बात करते है तो उनके साथ ऐसा ही हादसा होता है। संजय निषाद के साथ बीते तीन दिनों में दूसरी बार सुरक्षा में सेंधमारी हुई है। वहीं एसयूवी चालक के खिलाफ बस्ती के सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। मंत्री संजय निषाद के ड्राइवर की तहरीर पर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है।

नए जेल मैन्युअल को मिल चुकी है मंजूरी

सीएम योगी ने कहा कि बीते दिनों कैबिनेट में नए जेल मैन्युअल को मंजूरी दी गई थी। कारागारों को सुधार के बेहतर केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे। योगी ने कहा कि खुली जेल व हाई सिक्योरिटी जेल के लिए स्थान का चिन्हांकन कर विधिवत प्रस्ताव तैयार किया जाए। साथ ही कारागारों में 14 वर्ष की अवधि से अधिक समय से निरुद्ध कैदियों की सूची तैयार भी उपलब्ध कराई जाए। सूची में बीमार, नाबालिग, महिला तथा दिव्यांग कैदियों का अलग-अलग विवरण भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गड्ढा मुक्त सड़क अभियान की हकीकत

सरकार के तमाम वादों के बावजूद प्रदेश में पिछले साढ़े पांच साल में सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। लिहाजा पिछले कुछ दिनों से सरकार ने एक बार फिर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान चलाया है। सरकार ने 15 नवंबर तक सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की सीमा तय की है लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है। अधिकारी और ठेकेदार सड़कों की मरम्मत और निर्माण के नाम पर सरकार की आंख में धूल झोंकने में जुटे हैं। खुद पीडब्ल्यूडी मंत्री को जांच में लखनऊ और कानपुर के सड़क निर्माण में भारी खामियां मिली हैं। सड़कों के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। सवाल यह है कि साढ़े पांच साल बाद भी सड़कें गड्ढा मुक्त क्यों नहीं हो सकीं? अफसर सरकार के आदेश को दरकिनार क्यों कर रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे विभाग को अपनी चपेट में ले लिया है? सड़कों के निर्माण और मरम्मत में घटिया सामग्री का प्रयोग क्यों किया जा रहा है? क्या ठेकेदार और अफसरों की मिलीभगत से यह खेल खेला जा रहा है? क्या तय समय में प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जा सकता है? आखिर विभागीय लापरवाही पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है?

प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में जनता से गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा किया था लेकिन पहले कार्यकाल को छोड़िए दूसरे कार्यकाल में भी प्रदेश की जर्जर सड़कों का कायाकल्प होता नहीं दिख रहा है। राजधानी लखनऊ तक की सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। पुराने लखनऊ की सड़कों की हालत और भी खराब है। कैसरबाग बस अड्डे की सड़क चलने लायक नहीं है। गोमतीनगर विस्तार के कई इलाकों में सड़कों का बुरा हाल है। यही हाल कानपुर का है। जब प्रदेश के बड़े शहरों का यह हाल है तो दूसरे शहरों का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यह स्थिति तब है जब सड़कों में पड़े गड्ढों से होने वाले हादसों में लोगों की मौत को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटना का एक बड़ा कारण गड्ढे हैं। हकीकत यह है कि सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार का घुन लग चुका है। अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से यह सारा खेल जारी है। बिना मानकों की जांच के सड़कों को कागजों पर पास कर दिया जाता है। लिहाजा घटिया सामग्री से बनी सड़क पहली बारिश में ही बर्बाद हो जाती है। जाहिर है यदि सरकार प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करना चाहती है तो उसे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगाना होगा। इसके अलावा इन सड़कों की जांच के लिए अलग से निगरानी तंत्र भी विकसित करना होगा।

“ सरकार के तमाम वादों के बावजूद प्रदेश में पिछले साढ़े पांच साल में सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। लिहाजा पिछले कुछ दिनों से सरकार ने एक बार फिर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान चलाया है। सरकार ने 15 नवंबर तक सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की सीमा तय की है लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोजगारपरक शिक्षा का माध्यम बने हिंदी

सुरेश पंत

पिछले दिनों मध्य प्रदेश में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हिंदी की कुछ पुस्तकों का विमोचन किया गया तो इसके पक्ष-विपक्ष में बहस शुरू हो गयी। यह बहस तुरंत ही जैसा कि होता आया है, हिंदी बनाम अंग्रेजी में बदल गयी जबकि मुद्दा यह होना चाहिए था कि माध्यम अंग्रेजी ही रहे या भारतीय भाषाएं भी हों, जिनमें हिंदी भी एक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 शिक्षा के अनेक क्षेत्रों में बदलाव लाने की कोशिश करती है और उनमें से एक शिक्षा का माध्यम है, जिसमें विद्यालयों-महाविद्यालयों में जहां तक संभव हो मातृभाषा में शिक्षा दी जायेगी। इस नीति में कहा गया है कि सभी स्कूलों में कक्षा पांच तक की शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होगी और उच्चतर संस्थानों में भी हिंदी को वरीयता दी जायेगी।

यह कोई अनोखी संस्तुति नहीं थी। शिक्षा क्षेत्र में कोठारी आयोग (1966) से लेकर आज तक जितने आयोग और समितियां बनी हैं, सबने इसकी संस्तुति की है, किंतु संस्तुतियां धरी रह जाती हैं। राजनीति आड़े आ जाती है और मामला जस का तस बना रहता है। विश्वभर के प्रतिष्ठित भाषा विज्ञानी और मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मातृभाषा से भिन्न माध्यम से पढ़ाई करने से रचनात्मक प्रतिभा नहीं आती है। माध्यम मातृभाषा न होने पर विद्यार्थी विषय को समझे बिना, गहराई से परखे बिना केवल रटकर उत्तर दे देता है और डिग्री पा जाता है, किंतु विशेषज्ञता और कौशल नहीं प्राप्त कर पाता। मेडिकल किताबों का अनुवाद चीनी, जापानी, रूसी में भी हुआ है, तो ऐसा हिंदी या अन्य प्रमुख भारतीय भाषाओं में क्यों नहीं हो सकता लेकिन ऐसा करने के लिए पहले एक पूरा ढांचा तैयार करना होगा, जिसमें मुख्य समस्या पारिभाषिक शब्दावली की होगी। मुख्य परिभाषिक शब्द मेडिकल साइंस और अन्य तकनीकी विषयों में अन्य भाषाओं में अपना लिये गये हैं क्योंकि ऐसा करने से उनकी ग्राह्यता और संप्रेषणीयता बनी रहती है। अच्छा होता भारतीय विद्यार्थियों के लिए कुछ तकनीकी शब्दों के सरल हिंदी या भारतीय भाषाओं में प्रचलित शब्द भी दिये जाते और कोष्ठक में अंग्रेजी के वैश्विक शब्द भी। ऐसा नहीं हो पाया है किंतु यह शुरुआत है।

आलोचना का दूसरा पहलू है कि हिंदी माध्यम से पढ़े हुए छात्र का स्तर अंग्रेजी माध्यम के छात्र से कम होगा. इसका कोई तर्कसंगत आधार नहीं है। यदि शिक्षक अच्छे हैं, अच्छे संसाधन उपलब्ध हैं (पुस्तकें भी जिनमें आती हैं) तो स्तर कम नहीं हो सकता। यह

अवश्य है कि भिन्न भाषा से पढ़े हुए डॉक्टर पढ़ाई के बाद विदेश में उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए संभवत: नहीं जा सकेंगे, किंतु आज भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले सारे डॉक्टर तो विदेश नहीं चले जाते। देश के रोगियों से देश की भाषा में अच्छा संवाद हो सकता है। हमें बड़ी संख्या में डॉक्टरों की आवश्यकता भी है। प्रारंभिक स्तर से लेकर उच्चतर स्तर तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा पाये हुए डॉक्टर संभ्रांत परिवारों से होते हैं और उनका लक्ष्य ब्रिटेन, अमेरिका में सेवा करना न भी हो, तो भी वे बड़े या अच्छे शहरों में रहना पसंद करते हैं। इसके विपरीत हिंदी माध्यम से पढ़कर डॉक्टर बने लोग खुशी-खुशी गांव-देहात की नियुक्तियां स्वीकार करेंगे, यह आशा की जा सकती है। बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा न देना मानवाधिकारों का हनन है और एक लोकतांत्रिक देश में मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार का काम है। प्रबंधन, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में केवल अंग्रेजी माध्यम होने से लाखों नवयुवक तकनीकी शिक्षा पाने से वंचित हो जाते हैं। कुछ अभ्यर्थी साहस करके एकाधिक प्रयासों में या आरक्षण से प्रवेश पा जाते हैं किंतु केवल भाषा के अवरोध के कारण कुंठाग्रस्त होते हैं। आंकड़े गवाह हैं कि अभियांत्रिकी, चिकित्सा, प्रबंधन के शिक्षा संस्थानों में हर साल कुछ प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल इसलिए आत्महत्या कर लेते हैं कि उनकी अंग्रेजी कमजोर होती है और वे अपने सहपाठियों-शिक्षकों के उपहास व अकादमिक असफलता से टूट जाते हैं। रोजगार के बाजार में अंग्रेजी की मांग अधिक है किंतु यह भी सत्य है कि व्यवस्था ने अन्य भाषाओं के ढांचे को ऐसा नहीं बनाया कि उन्हें भी बाजार में ऐसी ही पैठ प्राप्त हो। आज मेडिकल की पढ़ाई का बजट लाखों रुपये प्रतिवर्ष है, जो बहुत से माता-पिताओं की पहुंच के बाहर होता है। अंग्रेजी माध्यम से मेडिकल या अन्य तकनीकी विषयों की पढ़ाई करने से उन छात्रों या अभिभावकों को हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं से शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों से कोई कठिनाई कैसे हो सकती है? इसके विपरीत रोजगार के बाजार में उनके सामने संभवत: अधिक अवसर होंगे और कम प्रतिस्पर्धा होगी इसलिए कुछ पुस्तकों के हिंदी में आ जाने से तिल का ताड़ बनाना व्यर्थ है।

सतर्कता से आतंकवाद के बदले स्वरूप पर लगाम संभव

आशीष वशिष्ठ

कश्मीर में टारगेट किलिंग थमने का नाम नहीं ले रही है। 18 अक्टूबर को आतंकियों ने दो श्रमिकों का निशाना बनाया। यूपी के कन्नौज के ठठिया क्षेत्र के सुरसी के दन्नापूरवा निवासी मुनेश और रामसागर दोनों डेढ़ महीने पहले मजदूरी करने जम्मू-कश्मीर गए थे। वहां वे सेब की पेटियां भरने का काम करते थे। 18 अक्टूबर की शाम आतंकियों ने टारगेट किलिंग में दोनों की हत्या कर दी। निहत्थे श्रमिकों पर कायराना हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) ने ली। मजदूरों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां में हरमन के पास ग्रेनेड फेंक कर मारा गया। वहीं 15 अक्टूबर को आतंकियों ने प्रवासी कश्मीरी पंडित पूरण कृष्ण भट की उनके घर के पास हत्या कर दी थी। इस हत्या की जिम्मेदारी कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स (केएफएफ) आतंकी संगठन ने ली थी।

अनुच्छेद-370 हटने के बाद सुरक्षा की बलों की चौकसी के बावजूद टारगेट किलिंग के बढ़ते मामले चिंता का कारण हैं। जम्मू कश्मीर में प्रवासी मजदूरों की हत्या से संबंधित मामले लगातार देखे जा रहे हैं। इसी साल 26 जुलाई को भारत सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि जनवरी 2017 से अब तक जम्मू-कश्मीर में 28 मजदूरों की हत्या कर दी गई। मारे गए 28 मजदूरों में से सात बिहार, दो महाराष्ट्र और एक झारखंड से था। एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में यह जानकारी दी थी। उन्होंने यह भी बताया था कि 2018 से 2021 के बीच घाटी में आतंकी वारदातों में कमी आई। 2018 में जहां 417 आतंकी वारदातें दर्ज की गई थीं, वहीं 2021 में यह संख्या 229 रही। उन्होंने कहा था कि जो कुछ टारगेट किलिंग की वारदातों में अल्पसंख्यकों और बाहरी मजदूरों पर हमले हुए, वे सीमा पार से प्रायोजित थे। सितंबर में आतंकियों ने गैर-कश्मीरी लोगों और कश्मीरी पंडितों को लक्षित कर कई हमले किए गए। 16 अगस्त को शोपियां के एक सेब के बागान में काम कर रहे दो कश्मीरी पंडित भाइयों को आतंकियों ने निशाना बनाया। आतंकियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। इस आतंकी वारदात में एक शख्स की मौत हो गई जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 11-12 अगस्त की दरमियानी रात बांदीपोरा में बिहार के एक मजदूर को आतंकियों ने गोली मार दी। बांदीपोरा जिले के सोदनारा संबल इलाके में बिहारी मजदूर मोहम्मद अमरेज को आतंकियों गोली मारी थी। अमरेज को जख्मी हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई थी। 2 जून को कुलगाम में एक बैंक मैनेजर पर हमला किया गया। 31 मई को कुलगाम में कश्मीरी हिंदू महिला टीचर रजनी बाला की गोली मारकर हत्या की गई। 12 मई को राजस्व विभाग में काम करने वाले राहुल भट को आतंकियों ने उनके दफ्तर में घुसकर गोली मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गए थी। जिसके बाद कश्मीरी पंडितों और अन्य कर्मचारियों ने घाटी से पलायन शुरू कर दिया था। यह पलायन 1990 के दौर से भिन्न है। दरअसल, प्रधानमंत्री पैकेज के तहत नियुक्त किए गए सरकारी कर्मचारी अब घाटी छोड़ने पर आमादा हैं। आतंकवादियों के निशाने पर कश्मीरी और गैर-कश्मीरी सभी हैं। आतंकवादी इसे भी जेहाद करार दे रहे हैं। वे भारत-समर्थकों को निशाना बना रहे हैं। आतंकी नहीं चाहते कि कश्मीर की आबादी में कोई बदलाव आए उसके समीकरण बिगड़ें। बीते 12 मई को जिला मजिस्ट्रेट के राजस्व कार्यालय में काम करने वाले राहुल भट की हत्या के बाद करीब 2500 कश्मीरी पंडितों और अन्य कर्मचारियों ने घाटी से जम्मू की तरफ पलायन किया था। उसके बाद 100 से अधिक लोगों ने पलायन किया। घाटी से पलायन के दृश्य टीवी चैनलों के माध्यम से देश-दुनिया ने देखे हैं। ऐसे में सहज सवाल है कि कश्मीरी पंडितों की घाटी में कभी घर-वापसी हो सकेगी? केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पांच जुलाई 2022 की तारीख तक जम्मू-कश्मीर में कुल 82 विदेशी आतंकवादी और 59 स्थानीय आतंकी सक्रिय थे। ये आतंकवादी मुख्य रूप से लश्कर ए तैयबा, इससे संबद्ध संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के अलावा जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों से हैं। विभिन्न आतंकी संगठनों ने पिछले चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर में 700 स्थानीय युवाओं की भर्ती की है, जिनमें से 187 की 2018 में, 121 की 2019 में, 181 की 2020 में और 142 की 2021 में भर्ती की गई। इस साल जून के अंत तक 69 युवाओं की आतंकी संगठनों ने भर्ती की है। सुरक्षा बलों ने इस साल पांच जुलाई तक 55 मुठभेड़ में 125 आतंकवादियों को मार गिराया है। घाटी में हो रही हत्याओं के बाद से 30 साल पहले की यादें एक बार फिर ताजा हो उठी हैं। जब चरमपंथियों ने सैंकड़ों की संख्या में हिंदुओं को मार डाला था जिसकी वजह से घाटी के हिंदुओं का पलायन शुरू हो गया था। जम्मू-कश्मीर में इस साल 20 आम नागरिक भी मारे गए हैं। इसके साथ ही इस वर्ष केंद्रशासित प्रदेश में आठ ग्रेनेड हमले हुए हैं। चरमपंथी अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं। साथ ही उन लोगों को जो बाहर से आकर यहां बस गए हैं क्योंकि उनका मानना है कि भारत की हिंदूवादी सरकार इलाके की रीलिजियस-डेमोग्राफी को बदलने की कोशिश कर रही है। ये घटनाएं आतंकवाद की जगह स्थानीय स्तर की सुपारी की साजिश ज्यादा लगती हैं। इसका मतलब है कि हत्यारों को स्थानीय स्तर पर पनाह दी जा रही है। उसे खंगालना सेना और सुरक्षा बलों के लिए कोई मुश्किल काम नहीं है।

तुलसी विवाह

संपन्न कराने से जीवन में प्राप्त होती है

भगवान विष्णु और मां तुलसी की कृपा

तुलसी विवाह हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। तुलसी विवाह की तिथि 05 नवंबर शनिवार को पड़ रही है। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी विवाह के दिन भगवान विष्णु और तुलसी का विवाह करया जाता है. मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक तुलसी विवाह संपन्न कराने से जीवन में भगवान विष्णु और मां तुलसी की कृपा प्राप्त होती है। आइए जानते हैं तुलसी विवाह का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व के बारे में।

इस दिन विष्णु देव के जागने के बाद घर में शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं

तुलसी विवाह मुहूर्त

तुलसी विवाह तिथि — 05 नवंबर, 2022 शनिवार
एकादशी तिथि आरंभ — 04 नवंबर को शाम 6 बजकर 08 मिनट पर
एकादशी तिथि समाप्त — 05 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 06 मिनट पर

भगवान विष्णु को जगाने का मंत्र

उत्तिष्ठ गोविन्द
त्यज निद्रां
जगत्पतये
त्वयि सुप्ते
जगन्नाथ जगत्?
सुप्तं भवेदिदम्?
उत्थिते चेष्टते
सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ
माधव
गतामेघा
वियच्चैव निर्मलं
निर्मलादिशः
शारदानि च
पुष्पाणि गृहाण
मम केशव

पूजा विधि

- तुलसी विवाह पूजा विधि के अनुसार, इस पूजन में शामिल होने वाले लोगों को स्नान के बाद साफ-सुथरे कपड़े पहनने चाहिए। हालांकि इस दिन पूजा के दौरान काले वस्त्र ना पहनें।
- तुलसी विवाह कराने वालों को इस दिन व्रत रखना होता है। ऐस में संभव हो तो इसका पालन करें।
- इस दिन शुभ मुहूर्त में तुलसी के पौधे को आंगन में पटले पर रखें। आप चाहे तो छत या मंदिर में भी तुलसी विवाह संपन्न करा सकते हैं।
- तुलसी के गमले की मिट्टी में ही एक गन्ना लगाएं और उस पर लाल चुनरी से मंडप सजाएं।
- तुलसी के गमले में शालिग्राम पत्थर भी रखें।
- तुलसी और शालिग्राम की हल्दी करें। इसके लिए दूध में हल्दी भिगोकर लगाएं।
- गन्ने के मंडप पर भी हल्दी का लेप लगाएं।
- इसके बाद पूजन करते हुए इस मौसम में आने वाले फल जैसे- आवंला, सेब आदि चढ़ाएं।
- पूजा की थाली में ढेर सारा कपूर रखकर जलाएं। इससे तुलसी और शालिग्राम की आरती उतारें।
- आरती करने के बाद तुलसी की 11 बार परिक्रमा करें और प्रसाद बांटे।
- तुलसी विवाह के बाद नीचे दिए मंत्र से भगवान विष्णु को जगाएं।

विवाह का महत्व

कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन तुलसी का विवाह कराना बेहद शुभ होता है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी विवाह से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ भी घर में सकारात्मकता बनी रहती है। इसके साथ ही मान्यता यह भी है कि इस दिन तुलसी विवाह कराने से कन्यादान जितना पुण्य मिलता है। कहा जाता है कि जिस घर में बेटी ना हो तो ऐसे में वे अगर तुलसी विवाह करें तो अच्छा रहता है। इस दिन विष्णु देव के जागने के बाद घर में शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

हंसना मना है

दो महिलायें बातें कर रही थी आजकल मोटापा काफी बढ़ रहा है इसलिए बाहर खान बंद .. पैक करवाकर घर लाती हूँ फिर खाती हूं।

टीचर : इंसान वो है जो हमेशा दूसरों की मदद करे स्टूडेंट : लेकिन Exam के समय ना तो आप खुद इंसान बनती हो और ना ही दूसरों को बनने देती हो

मेरा एक दोस्त मुझसे हमेशा कहता था भाई कुछ अलग कर मेने उसकी गर्लफ्रेंड को उससे अलग करवा दिया अब साला बन्दूक लेकर मुझे ढूढ़ रहा है।

प्यार कभी भी हो सकता है क्योंकि बुद्धि ब्रष्ट होने की कोई उम्र नहीं होती।

अगर ....! अचानक कोई दोस्त ????? कई सालों बाद फोन करे और मिलने के लिए बुलाये तो समझ लेना की वह LIC एजेंट बन गया है

पत्नी : जानू क्या में तुम्हारे सपनों में आती हूँ ? पति - नहीं .. पत्नी : क्यों ..? पति : क्योंकि में हनुमान चालीसा पढ़कर सोता हूँ।

एक अमेरिकी डॉक्टर भारत आया ..... बस स्टैंड पर एक किताब देखते ही उसे दिल का दौरा पड़ गया 20 रुपये की इस किताब का नाम था? 30 दिनों में डॉक्टर कैसे बने।

कहानी

अंधभक्ति

गोनू झा के पिता उचित खर्चों में भी कंजूसी करते थे, किंतु साधु-संतों में उनकी बड़ी आस्था थी; किसी सामुद्रिक को देखकर तो मचल ही उठते थे। उनकी इस कमजोरी से गोनू झा भलीभांति अवगत हो चुके थे। एक बार गोनू झा को कुछ रुपयों की सख्त जरूरत महसूस हुई। पिता से बहुत अनुनय-विनय किया और घर से भाग जाने की धमकी भी दी, फिर भी पिता टस-से-मस नहीं हुए। दूसरे ही दिन गोनू झा लापता। पिता ने चारों तरफ आदमी दौड़ाए। मां ने अन्न-जल त्याग दिया। संयोग से उसी दिन एक महात्मा गोनू झा के घर आ पहुँचा। उसे सद्य: भगवान मानकर उनके माता-पिता अतिशय आदर-सत्कार करने में जुट गए। पिता ने पुत्र के बारे में पूछा । महात्मा ने मुँह पर उँगली रखते हुए संकेत से ही कहा, मैं मौनी बाबा हूँ, इसलिए लिखकर ही बताऊँगा। उसने लिखकर बताया, गोनू इस पृथ्वी पर मस्ती में है और मेरे मंत्रों के प्रभाव से कल तक लौट आएगा। मनोनूकूल उत्तर सुनकर माता-पिता प्रसन्न हो गए; खुसी के मारे उसे रुपए-पैसे और अँगूठी भी प्रदान कर दी। आनन-फानन में ग्रामीणों की भीड़ भी जुटने लगी। साधु लोगों को उनका अतीत बता-बताकर भविष्यवाणी करने लगा। उसके पूर्ण ज्ञान से संतुष्ट होकर ग्रामवासियों ने यथेष्ट धन दिया। साधु ने रात-भर गोनू झा के यहाँ रहना स्वीकार कर लिया । दूसरे दिन वह साधु गोनू झा के पिता से तड़कते ही अनुमति ले और मोटे सामानों को छो?कर विदा हुआ। गृहस्वामी ने भक्ति-भाव से कहा, महाराज, सामान क्यों छो?ते जा रहे हैं ? आप जहाँ कहें, वहाँ मैं पहुंचवा दूंगा। साधु ने स्लेट पर लिख दिया, रमता योगी, बहता पानी। साधुओं को खाने-पीने की क्या चिंता ! और आप सुपुत्र की चिंता न करें; वह चल चुका है। स्लेट पर गृहस्वामी विभोर हो गए और साधु को हाथ जोड़कर विदा किया। माता-पिता गोनू झा की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे। तभी गोनू झा कंधे पर झोला लटकाए दरवाजे पर उपस्थित हुए । माता-पिता ने उन्हें हृदय से लगाया और भांति-भांति के प्रश्न उनसे करने लगे। गोनू झा ने कटाक्ष करते हुए कहा, कल से अभी तक जितना मुझे सुख और सम्मान मिला है, उसका शतांश भी इस घर में कभी नहीं मिल पाया है। साधु की भविष्यवाणी सही निकली कि गोनू झा मस्ती में है और आज आ भी रहा है। माता-पिता ने साधू को मन ही मन शतश: साधुवाद दिया। गोनू झा को बड़े सत्कार से भोजन मिला। माता ने झोला खोलकर देखना चाहा तो गोनू झा ने अंगूठी और रुपए-पैसे निकालकर पिता के श्रीचरणों पर रख दिए। उन्होंने चौकते हुए पूछा, ये क्या हैं? गोनू झा ने सहजता से कहा, पूज्यवाद पिताजी, कल की कमाई है। उन्होंने अंगूठी उठाकर देखी और विस्मय से पूछा, यह तुम्हें कहाँ मिली? गोनू झा ने ढिठाई से कहा, पिताजी, आजकल के अधिकांश साधू-संत नकली होते हैं; कल मैं ही नाटयमंडली से साधु का वेश धारण कर आया था। आप वैसे ही साधु-संतो के अंधभक्त बने रहते हैं और दूसरी ओर माताराम के उचित खर्च को भी टालते रहते हैं। पिता ने प्रसन्न होते हुए कहा, गोनू, आज तुमने मेरी आँखें खोल दीं।

10 अंतर खोजें

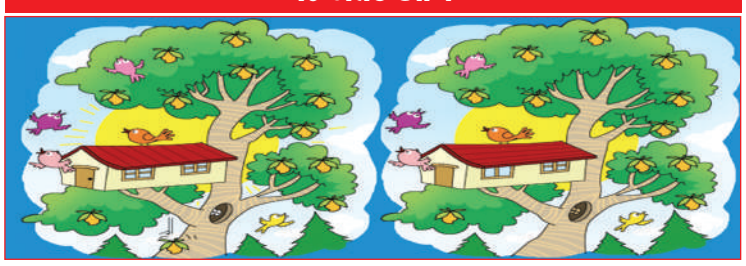

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दिन अच्छा रहेगा। आज नौकरीपेशा लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स मिलने के योग बन रहे हैं। आज घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी।

वृषभ

आज आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी, जिससे परिवार में सबके चेहरे खिले रहेंगे। आज कुछ लोग आगे से चलकर आपसे बात करना चाहेंगे। किसी मित्र से आपकी मुलाकात होगी।

मिथुन

भावनात्मक तौर पर बहुत अच्छा दिन नहीं होगा। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएं, उन पर विचार करें। धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें।

कर्क

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर की इलेक्ट्रॉनिक चीजों पर थोड़ा खर्च करना पड़ सकता है। आज आप अपने बिजनेस पार्टनर के घर त्योहार की शुभकामना देने जा सकते हैं।

सिंह

आज आपको किसी काम से भागदौड़ करनी पड़ सकती है। परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। खर्चे को नियंत्रण में रखना चाहिए। आज कोई नया काम सिखने का अवसर मिलेगा।

कन्या

आपकी मनोकामनाएं दुआओं के जरिए पूरी होंगी और सौभाग्य आपकी तरफ आएगा और साथ ही पिछले दिन की मेहनत भी रंग लाएगी। शाम का समय मेहमानों के साथ गुजरेगा।

तुला

ऑफिस में बॉस को इम्प्रेस करने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। जल्दी छुट्टी मिलने में परेशानी आ सकती है। किसी सामान की खरीदारी में थोड़ी देर हो सकती है।

वृश्चिक

सामाजिक मान प्रतिष्ठा प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं। नियोजित व्यक्तियों को अपने मालिकों या सहकर्मियों के साथ किसी भी प्रकार के तर्क-वितर्क में शामिल होने से बचना चाहिए।

धनु

बहुत ज्यादा काम करने से बचें, क्योंकि यह सिर्फ आपको तनाव और थकान ही देगा। जेवर और एंटीक में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा।

मकर

दिन सामान्य रहेगा। ऑफिस में रूके हुए काम सीनियर्स की मदद से पूरे होने की संभावना है। इस राशि के बिल्डर्स को अचानक से काफी फायदा हो सकता है।

कुम्भ

कोई बड़ा काम संतान की मदद से पूरा हो जायेगा। माता-पिता का सहयोग भी बना रहेगा। शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे। आज आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

मीन

लम्बी यात्रा के लिहाज से आपने सेहत और ऊर्जा-स्तर में जो सुधार किए हैं, वे काफी फायदेमंद रहेंगे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फंसने से बचे रहेंगे।

छोटा पर्दा | मन की बात

महिला केंद्रित कंटेंट में काम करना मेरे लिये सम्मान की बात : प्रतीक

प्रतीक बब्बर, जो वर्तमान में अपने स्ट्रीमिंग शो फोर मोर शॉट्स प्लीज! के हालिया सीजन की प्रतिक्रिया का आनंद ले रहे हैं। इस महिला केंद्रित शो का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और साथ ही भारतीय कंटेंट के क्रमिक विकास को एक सुखद बदलाव कहा है जहां महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों के लिए जगह है। महिलाओं द्वारा संचालित एक सीरीज में काम करने के बारे में बात करते हुए, प्रतीक ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही सुखद बदलाव है, जहां सिनेमा के लिए यह एक अद्भुत समय है और मुझे लगता है कि अभिनेताओं के लिए, महिलाओं द्वारा संचालित विषय या शो क्यों नहीं हैं, क्यों नहीं? सुनो, महिलाएं दुनिया पर राज करती हैं और यह समय के बारे में है और यह एक विशेषाधिकार और सम्मान है, और मेरे लिए इतने सालों तक इन खूबसूरत महिलाओं के कंधों पर सवार होना एक सम्मान की बात है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि भारतीय कंटेंट उद्योग वर्तमान में सही रास्ते पर है, मुझे लगता है कि हम महान हाथों में हैं और आप जानते हैं कि मैंने पहले उल्लेख किया है, यह सेट काफी हद तक एक महिला सेट है, हमारे पास एक फिल्म निर्माता और निर्देशक है जो एक है महिला, हमारे पास लेखक हैं जो महिलाएं हैं, हमारे पास निर्माता हैं जो महिलाएं हैं, हमारे पास कैमरा व्यक्ति है जो एक महिला है, फोकस ध्रुवीय एक महिला है, और हम आपके अच्छे हाथों में हैं जानना। उन्होंने कहा, हम इन खूबसूरत महिलाओं के कंधों पर सवार होकर धन्य हैं और मुझे लगता है कि महिलाओं को अधिक शक्ति मिलती है, बिल्कुल, यह समय की बात है। फोर मोर शॉट्स प्लीज! सीजन 3, जिसमें कीर्ति कुल्हारी, सयानी गुप्ता, मानवी गगरू और बानी जे मुख्य भूमिका में हैं, ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

किंग खान के जन्मदिन पर पठान का टीजर रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

क्या जानते हो तुम पठान के बारे में...? तीन साल से उसकी कोई खबर नहीं है...लेकिन अब पठान की खबर सबको है और पठान का ठिकाना भी सबको पता है। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने आज अपने 57वें जन्मदिन के मौके पर फैंस को खास तोहफा दिया है और अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पठान' का टीजर जारी कर दिया है। एक्शन से भरपूर टीजर इतना जबरदस्त है कि इसमें शाहरुख खान, जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण को देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

पठान का टीजर जारी करते हुए शाहरुख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया। इसमें लिखा था, कुर्सी की पेटी बांध लीजिए... पठान टीजर आउट। 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में देखें पठान हिंदी, तमिल और तेलुगू में। पठान का टीजर एक्शन और रोमांस से भरपूर है। टीजर में शाहरुख खान जबरदस्त एक्शन मोड़ में नजर आ रहे हैं। वहीं, जॉन अब्राहम और किंग खान के बीच भी एक्शन देखने को मिल रहा है। इसके अलावा शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री भी कमाल की लग रही है। सोशल मीडिया पर फैंस टीजर को देख काफी एक्साइटेड हो गए हैं और अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। टीजर में किंग खान का लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वहीं, उनका लंबे बाल वाला यह लुक डॉन 2 की भी याद दिला रहा है। एक फैन ने लिखा, एसआरके एसआरके ही हैं, कोई रिप्लेस नहीं कर सकता, तो दूसरे ने लिखा, जन्मदिन की बधाई शाहरुख खान, पठान का टीजर जबरदस्त है। अब फैंस फिल्म के जल्द रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित पठान अगले साल 25 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। वहीं, इसके बाद किंग खान जवान और डंकी में भी नजर आएंगे। इससे पहले वह 2018 में आई जीरो में आखिरी बार बड़े पर्दे पर नजर आए थे। वहीं, आर माधवन की रॉकेट्री में वह कैमियो करते नजर आए थे और सलमान खान की टाइगर 3 में भी वह कैमियो करेंगे।

मैंने अपने जीवन में कई बार मजबूती दिखाई है : जान्हवी

जान्हवी कपूर का कहना है कि आगामी सर्वाइवल-थ्रिलर मिली में अपने किरदार की तरह वह भी एक फाइटर हैं और उन्होंने अपने जीवन में कई बार मजबूती दिखाई है।

मिली मथुकुट्टी जेवियर द्वारा निर्देशित और बोनी कपूर द्वारा निर्मित है। फिल्म में जान्हवी, सनी कौशल और मनोज पाहवा हैं। निर्देशक की अपनी 2019 की मलयालम फिल्म हेलेन की रीमेक, यह एक फ्रीजर में फंसी एक महिला की जिंदा रहने के लिए लड़ाई रही है। 25 वर्षीय अभिनेत्री ने फिल्म के लिए माइनस 15 डिग्री तापमान में फ्रीजर के अंदर सीधे 20 दिनों तक शूटिंग की।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि वह भी अपने किरदार मिली की तरह एक फाइटर हैं, पैट ने जान्हवी की तरफ से आईएएनएस को जवाब दिया, हां, मुझे ऐसा लगता है। शायद चेहरे पर नहीं मुझे नहीं लगता कि मैं आक्रामक हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने अपने जीवन में कई बार मजबूती दिखाई है।

जान्हवी ने 2018 में धड़क से हिंदी सिनेमा में अपने सफर की शुरुआत की थी। बाद में उन्हें घोस्ट स्टोरीज, रूही, गुंजन सक्सेना और गुड लक जेरी जैसी फिल्मों में चाक और पनीर जैसी अलग-अलग फिल्मों में देखा गया। यह पूछे जाने पर कि 25 साल की उम्र में वह अपनी फिल्मों को कैसे चुनती हैं? उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए यह वही है जो मैं जो करता हूं। उसके बारे में रोमांचक हिस्सा है। मुझे बहुत सारे जीवन और चरित्र जीने को मिलते हैं, जो मेरी दुनिया से अलग हैं। मैं इसे करने के लिए और अधिक उत्साहित हो जाता हूं, क्योंकि मुझे इसके बारे में जानने को मिलता है- अलग-अलग लोग, अलग-अलग संस्कृतियां और कहानियां। जान्हवी ने कहा, अपनी फिल्मों के माध्यम से मैंने हेलिकॉप्टर की सवारी करना सीखा है, मैं बटेश्वर जैसी जगहों पर गई हूं। मैं क्रिकेट सीख रही हूं, मैंने फ्रीजर में शूटिंग की है और बिहारी बोली में बोलना सीखा है।

अजब-गजब | लाल रंग के पानी को देख डर जाते हैं लोग!

यहां बहती है रहस्यमयी खून की नदी

सोशल मीडिया पर रोज़ाना कुछ न कुछ कंटेंट वायरल ही होता रहता है, कई बार इसमें कुछ ऐसे वीडियो भी देखने को मिल जाते हैं, जो हमारे हंसने-मुस्कुराने की वजह बन जाते हैं तो कभी कुछ वीडियो ऐसे भी होते हैं, जो हैरानी से हमारी आंखें भर देते हैं। एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है, जिसमें लाल रंग की नदी बह रही है। ये वीडियो देखकर लोग हैरान हो रहे हैं।

प्रकृति अपने अंदर कई राज छिपाये हुए है, जिन में से कुछ को देखकर कई बार खुद की ही आंखों पर यकीन कर पाना मुश्किल हो जाता है। पेरू की लाल रंग की नदी को देखकर ऐसा लग रहा है मानो ये खून की नदी बह रही हो। लाल पानी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर देखने के बाद लोग हैरान हो रहे हैं कि आखिर नदी का पानी खून जैसा कैसे हो गया?

वायरल हो रहे इस वीडियो में एक लाल रंग के पानी वाली नदी दिखाई दे रही है। लाल रंग की नदी शायद ही पहले आपने कभी देखी होगी। इस वीडियो में एक नदी तेज रफ्तार में बहती नजर आ रही है, जो पेरू में है। यूं तो घाटी से बहती इस नदी वीडियो वैसे तो पुराना है, लेकिन एक बार फिर से वायरल हो रहा है। कुस्को की इस नदी में ईंट के लाल रंग जैसा पानी बहता नजर आता है, जो दिखने में कमाल का लग रहा है। बताते हैं कि विभिन्न परतों में मौजूद खनिज तत्वों की वजह से नदी का पानी लाल हो गया है। खास तौर पर ये आयरन ऑक्साइड की उपस्थिति की वजह से होता है।

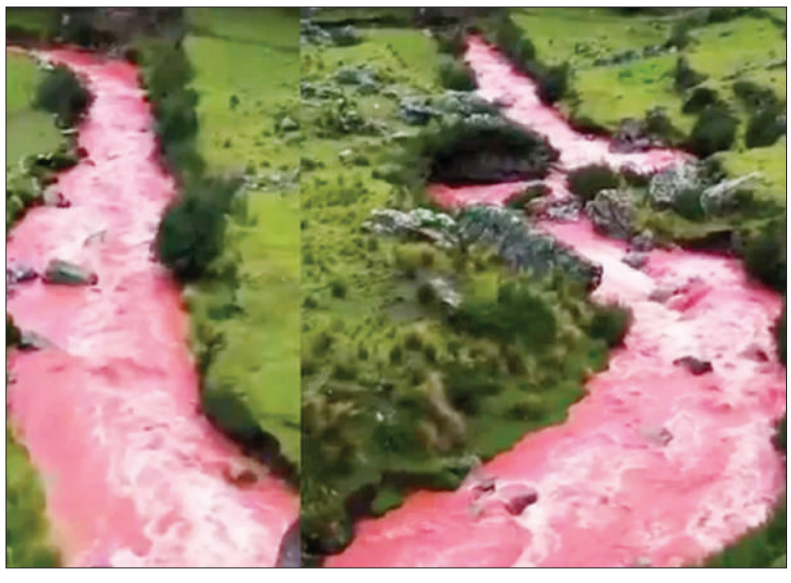

खून जैसी लाल धारा वाली इस नदी को स्थानीय रूप से पुकामायु के नाम से जाना जाता है। केशुआ भाषा में, 'पुका' का अर्थ है लाल, और 'मायू' का अर्थ है नदी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर यह वीडियो। @Prachi_Ras नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। अब तक 3.6 मिलियन यानि 36 लाख बार वीडियो देखा जा चुका है। वहीं 82 हजार से ज्यादा यूजर्स इस वीडियो को लाइक कर चुके हैं।

87 बार शादियां कर चुका है शख्स 88वीं बार फिर दूल्हा बनने की तैयारी !

आपने तमाम शादीशुदा लोगों के मुंह से सुना होगा कि वो शादी करके पछता रहे हैं। एक ही रिश्ते को निभाने में उनका दिमाग खराब हो जाता है, लेकिन कुछ हिम्मती लोग जिंदगी में कई शादियां कर लेते हैं। एक ऐसे ही इंडोनेशनियन शख्स ने अपनी जिंदगी में इतनी बार शादी कर ली है, जिसकी आप कल्पना भी कर सकते हैं। मज़े की बात ये है कि उसका शौक अब भी पूरा नहीं हुआ है और वो 88वीं बार शादी करने के लिए तैयार है। 1 साल के कान नाम के शख्स शख्स ने अपनी उम्र से ज्यादा बार जिंदगी में शादी कर डाली है। दिलचस्प बात ये है कि 88वीं बार वो एक बार फिर शादी के लिए तैयार है और इस बार वो उसी महिला को बीवी (Man Set to Marry His E&-Wife) बनाने के लिए तैयार है, जिसे कुछ साल पहले तलाक दिया था। इस शख्स को स्थानीय स्तर पर प्लेबॉय किंग के तौर पर जाना जाता है। Tribunnews के मुताबिक पश्चिमी जावा के मजेलेंग्का में रहने वाले कान 61 साल के हैं और वे अपने जिंदगी की 88वीं शादी करने के लिए तैयार हैं। वे इस बार जिस महिला से शादी करने जा रहे हैं, वो उनकी 86वीं पत्नी रह चुकी हैं। उनके मुताबिक लंबे समय पहले ही वो अलग हो गए थे, लेकिन दोनों के बीच का कुछ रिश्ता है, जो उन्हें दोबारा एक करने वाला है। उस वक्त कान ने अपनी पत्नी को एक महीने बाद ही तलाक दे दिया था, लेकिन वो अब भी उन्हें प्यार करती थी। जब उसने वापसी की इच्छा जताई तो कान इनकार नहीं कर सके। मलय मेल के मुताबिक कान ने पहली शादी 14 साल की उम्र में की थी और उनकी पत्नी उनसे 2 साल बड़ी थीं। 2 साल बाद उनका तलाक हो गया था क्योंकि उसे कान का एटीट्यूड ठीक नहीं लगता था। वे बताते हैं कि कभी भी उन्होंने कुछ ऐसा नहीं किया, जो महिलाओं के लिए अच्छा नहीं हो, न ही किसी की भावना के साथ खेला। उन्होंने तब से 87 शादियां कर डालीं और अब भी इस सिलसिले को थामने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि इस बात की जानकारी नहीं है कि 87 शादियों के कान के कितने बच्चे हैं।

राजस्थान कांग्रेस में रार तेज, पायलट बोले

बगावत करने वालों पर कार्रवाई करें खड़गे

» पीएम द्वारा गहलोत की तारीफ को न ले हल्के में गुलाम नबी की दिलायी याद

» कांग्रेस अनुशासित पार्टी सभी पर लागू होता है नियम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में रार तेज हो गयी है। अब पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानगढ़ धाम में जिस तरह से गहलोत की तारीफ की उस पर तंज कसते हुए पायलट ने कहा कि मोदी ने संसद में गुलाम नबी आजाद की इसी तरह तारीफ की थी। उसके बाद क्या हुआ सबने देखा है।

उन्होंने कहा कि मोदी ने जिस तरह से बड़ाईयां की वह दिलचस्प घटनाक्रम था। इसको हल्के में नहीं लेना चाहिए। दरअसल, मोदी ने अपने भाषण में सबसे पहले गहलोत का नाम लिया था और कहा था कि गहलोत सबसे वरिष्ठ सीएम हैं। मैं जब सीएम था तब भी गहलोत वरिष्ठ थे। मोदी और गहलोत की अकेले में मुलाकात भी हुई थी। उन्होंने कहा कि जहां तक राजस्थान की बात है, सब जानते हैं कि 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। वह मीटिंग हो नहीं पाई। उसके लिए खुद मुख्यमंत्री ने माफी मांगी थी। पर्यवेक्षक अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे गंभीरता से लिया था। उस पर संज्ञान लेने के बाद एआईसीसी ने इसे अनुशासनहीनता का मामला माना। उन्होंने कहा कि तीन लोगों को नोटिस दिया गया। नोटिस का जवाब दिया गया है। मैं मानता हूं कि कांग्रेस एक पुरानी पार्टी है। अनुशासित पार्टी है। इस पार्टी में सबके लिए नियम और कायदे-कानून बराबर हैं। अगर अनुशासनहीनता हुई है और उसका जवाब लिया गया है तो इस पर भी शीघ्र निर्णय होना चाहिए। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा हो, लेकिन पार्टी का नियम, अनुशासन सब पर बराबरी से लागू होता है। मुझे विश्वास है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।

रहें अनुशासन में : गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सचिन पायलट को ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल ने पार्टी में सभी से ऐसी कोई टिप्पणी नहीं करने को कहा है। हम चाहते हैं कि सभी अनुशासन का पालन करें।

हिमाचल में नहीं चलेगा गुजरात मॉडल : सुखविंद्र सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांग्रेस प्रचार समिति के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार करते हुए कहा है कि उनके गृह राज्य गुजरात का मॉडल हिमाचल में चलने वाला नहीं है। कांग्रेस में लोकतंत्र है और यहां पर अध्यक्ष का भी चुनाव होता। इसी का नतीजा है कि आज मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए हैं।

उन्होंने कहा कि अमित शाह को गुजरात की नहीं हिमाचल की चिंता है। यह चिंता यहां से हो रही भाजपा की विदाई है। वे भांप चुके हैं कि हिमाचल से भाजपा की विदाई तय है और यहां पर कांग्रेस सत्ता में आ रही है। इस कारण अब अमित शाह यहां की जनता को भ्रमित न करने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा को दो व्यक्ति की कंट्रोल कर रहे हैं और वे क्या करते हैं इसकी पार्टी के अन्य नेताओं को भनक तक नहीं होती।

भाजपा ने चिराग का किया इस्तेमाल : ललन सिंह

» आरसीपी सिंह पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में मोकामा और गोपालगंज उपचुनाव के प्रचार के आखिरी वक्त में लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। चिराग के चुनाव मैदान में उतरने के बाद वो अब जदयू के निशाने पर आ गए हैं। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि भाजपा ने चिराग पासवान का इस्तेमाल किया है। उन्होंने इशारों में आरसीपी सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के लोग उन्हें पार्टी में शामिल नहीं करा रहे हैं।

ललन सिंह ने कहा कि चिराग का भाजपा ने इस्तेमाल किया। उन्होंने आरसीपी सिंह पर भी इशारों में हमला किया। कहा कि जिस तरह हमारी पार्टी में जो एजेंट थे उनका इस्तेमाल किया गया वैसे ही चिराग की पार्टी का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने आरसीपी सिंह का बिना नाम लिया कहा कि भाजपा वाले अब उन्हें अपनी पार्टी

में शामिल नहीं करा रहे हैं। यूज करके थ्रो किया जा रहा है। वे भाजपा ज्वाइन करने की कोशिश में जुटे हैं। चिराग पासवान पहले से भाजपा का साथ दे रहे हैं लेकिन चुनाव प्रचार के बाद ये बातें सबके सामने आ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी का इस्तेमाल किया है। ललन सिंह ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैं उनके बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। ललन सिंह ने कहा कि जो आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं वो कभी राजद के प्रखंड अध्यक्ष हुआ करते थे। चुनाव में जमानत तक जब्त करा चुके हैं। ऐसे लोगों पर मैं क्या प्रतिक्रिया दूं।

हरियाणा में फिर किसान आंदोलन की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। केस वापस नहीं होने के चलते हरियाणा में भारतीय किसान यूनियन ने फिर से किसान आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि किसान आंदोलन की दूसरी वर्षगांठ पर 24 नवंबर को अंबाला में रेल रोककर इसकी शुरुआत की जाएगी।

चढूनी ने कहा कि दिल्ली में 13 महीने 13 दिन चले किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार ने लिखित में सभी प्रकार के केस वापस लेने की किसानों की शर्त को माना था। लगभग एक साल का समय बीत जाने पर भी अभी तक रेलवे के 12 केस वापस नहीं हुए है। अभी इन केसों को रद्द करने को लेकर रेलवे कोई आदेश नहीं मिले। मीडिया प्रभारी राकेश कुमार बैंस ने कहा कि हरियाणा सरकार से हुई मुख्यमंत्री से समझौता वार्ता में भी सभी केस वापस लेने की बात हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मानी थी। इनमें पुराने केस वापस लेने व आंदोलन के सहायक लोगों को किसी भी प्रकार से पीड़ित न करने का वादा किया था लेकिन आज भी कई किसानों के असलहा लाइसेंस व पासपोर्ट रोके हैं।

भाजपा पर बरसे सीएम हेमंत, कहा

मेरे खिलाफ की जा रही है साजिश

» जांच एजेंसियों का कर रही दुरुपयोग, आज नहीं जाएंगे ईडी दफ्तर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज रांची स्थित ईडी के जोनल ऑफिस में नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री सचिवालय ने बताया कि सीएम आज रायपुर में आयोजित आदिवासी नृत्य महोत्सव में शामिल होंगे। हालांकि, ईडी का कहना है कि मुख्यमंत्री की तरफ से एजेंसी के साथ कोई पत्राचार नहीं किया गया है। ईडी ने उन्हें मनी लांड्रिंग और अवैध खनन मामले में पूछताछ के लिए समन किया है। मुख्यमंत्री को आज बुलाया गया था।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी द्वारा समन किए जाने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि विपक्ष के अनुरोध पर ही झारखंड में ईडी की जांच चल रही है। विपक्ष के अनुरोध पर ही समन जारी

किया गया है। वे ईडी की ताकत दिखाना चाहते हैं। दिखाना चाहते हैं कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन किया जा सकता है तो एक मुख्यमंत्री को क्यों नहीं पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। यदि विपक्ष को लगता है कि वे षड्यंत्र करके मेरी पहचान या छवि धूमिल कर लेंगे तो ये उनकी गलतफहमी है। भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों को दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए सीएम ने कहा कि वे षड्यंत्र कर रहे हैं। महामहिम बीते 2-3 महीने से एटम बम का लिफाफा लिए बैठे हैं। गौरतलब है कि झारखंड में बीते मई महीने से ही ईडी की कार्रवाई चल रही है।

लोक सभा चुनाव के बाद राजनीति से बाहर हो जाएगी कांग्रेस : शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश में आयोजित जनसभाओं में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह राजा-रानियों की पार्टी है। कांग्रेस के पास विकास के नाम पर कहने के लिए कुछ नहीं है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में कुछ सीटें जीतने के लिए आठ से 10 सीटों पर मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों को नामित किया है लेकिन सभी जानते हैं कि वे सीएम नहीं बनेंगे। कांग्रेस में सीएम, मुख्यमंत्री बनने के लिए किसी का बेटा या बेटी होना जरूरी है। ऐसे में इनका मौका कभी नहीं आएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है जिसका राजनीतिक रूप से कोई भविष्य नहीं है। 2024 के लोक सभा चुनाव के बाद कांग्रेस भारतीय राजनीति से बाहर हो जाएगी। वह भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें ही थीं जिन्होंने कोरोना महामारी में लाखों लोगों के जीवन की रक्षा की। पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की जाती है क्योंकि उन्होंने कोविड-19 टीकों का निर्माण किया और नागरिकों को मुफ्त बांटकर उनकी जान बचाई। यह उपलब्धि किसी अन्य देश के किसी नेता को प्राप्त नहीं की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार जवानों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। वह भाजपा ही है जिसने जम्मू-कश्मीर के लोगों को सुविधाएं प्रदान करने और शांतिपूर्ण माहौल स्थापित करने के लिए धारा 370 को समाप्त किया।

कांग्रेस के पास विकास के नाम पर कुछ कहने को नहीं

भाजपा सरकारों ने मुफ्त में लगाए टीके, बचायी लोगों की जान

भाजपा कल जारी करेगी घोषणापत्र

शिमला। भाजपा का चुनाव घोषणापत्र 4 नवंबर को जारी होगा। इसे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दोपहर बाद ढाई बजे पीटरहॉफ शिमला में लांच करेंगे। घोषणापत्र में ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लेना है कि नहीं इस बारे में असमंजस है। भाजपा कर्मियों, किसानों-बागवानों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों समेत तमाम वर्गों को घोषणापत्र में शामिल करने का प्रयास कर रही है।

मथुरा से लखनऊ तक आग का तांडव, दो जिंदा जले

हजरतगंज में प्रिंस मार्केट में चौथी मंजिल पर आग, कोचिंग में फंसे बच्चे सुरक्षित निकाले गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में गुरुवार को मथुरा से लखनऊ तक आग का तांडव दिखा। वृंदावन में जहां गार्डन गेस्टहाउस के गोदाम में भोर में आग लग गई। इसमे आग बुझाने पहुंचे दो कर्मचारियों की आग की चपेट में आकर मृत्यु हो गई। वहीं राजधानी में हजरतगंज में प्रिंस कांप्लेक्स में चौथे तल पर आज सुबह एक दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस बीच पड़ोस में कोचिंग चल रही थी। धुआं चौथे तल समेत कई अन्य तलों में फैल गया। लोगों ने दमकल को सूचना दी। हजरतगंज, इंदिरानगरा, चौक और आलमबाग से दमकल कर्मी गाड़ियां लेकर पहुंचे। इस बीच बच्चों को स्थानीय लोगों और पुलिस कर्मियों ने पीछे के रास्ते सुरक्षित निकाल लिया।

फोटो: सुमित कुमार

दमकल कर्मियों ने करीब सात गाड़ियों की मदद से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर अफसर हजरतगंज ने बताया कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। समय रहते आग कंट्रोल में कर ली गई है। आग संभवत: शार्ट सर्किट के कारण लगी है। पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। टीम इन्वेस्टिगेशन कर रही है। आग पर कंट्रोल कर लिया गया है। शार्ट सर्किट से आग लगी है। मौके पर एसडीआरएफ की टीम पहुंची है। आसपास के लोगों का कहना है कि तीन साल पहले ये पुरानी मार्केट सील कर दी गई थी लेकिन कुछ समय बाद ही इसे खोल दिया गया। आग से दो दुकाने जली हैं। कोचिंग में जो बच्चे आए थे उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। कोचिंग सेंटर सुरक्षित है। वहां तक आग नहीं पहुंची है, कोचिंग केवल दो बच्चे पहुंचे थे। आग लगने की वजह से पूरे कांप्लेक्स में धुएं का गुबार उठ गया था। सुबह का समय होने की वजह से अभी दुकानें खुली नहीं थी। ऐसी भी आशंका है कि मार्केट में अग्निशमन के कोई इंतजाम नहीं थे।

वृंदावन में गेस्टहाउस के गोदाम में लगी आग, दो कर्मचारियों की मौत

मथुरा। वृंदावन में गार्डन गेस्टहाउस के गोदाम में गुरुवार की भोर में आग लग गई। इसमे आग बुझाने पहुंचे दो कर्मचारियों की आग की चपेट में आकर मृत्यु हो गई। मथुरा मार्ग स्थित बसेरा ग्रुप के वृंदावन गार्डन गेस्ट हाउस की ऊपरी मंजिल पर स्थित गोदाम में सुबह करीब पांच बजे आग की लपटें उठती दिखाई दीं, तो कर्मचारी चीख पड़े। कार्तिक महीने का अंतिम दौर होने और देवोत्थान एकादशी के लिए गेस्टहाउस में श्रद्धालु भी थे। ऐसे में स्टाफ और श्रद्धालुओं में खलबली मच गई। पुलिस की सूचना पर पहुंची दमकल ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने की घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और नुकसान का आकलन आग बुझने के बाद हो सकेगा। गेस्ट हाउस में जिस मंजिल में आग लगी है। उसमें नीचे रेस्टोरेंट था। जिस वक्त घटना गेस्ट हाउस फुल था। गनीमत थी, जिसमे यात्री ठहरे हैं, वो इसके पड़ोस में दूसरा ब्लॉक है। आग की चपेट में आकर गेस्ट हाउस के कर्मचारी उमेश निवासी मांट मथुरा और वीरी सिंह निवासी कासगंज की मृत्यु हो गई है।

फोटो :4 पीएम

शोभायात्रा डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर समन्वय सेवा संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक सन गायन 2022 का धर्म ध्वज शोभायात्रा निकाली गई।

भाजपा सरकार ने भय मुक्त यूपी का निर्माण किया: भूपेंद्र

निकाय चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक दलों के बीच खींचतान शुरू

» विपक्ष के बयानवीर नेता हताश व निराश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक दलों के बीच खींचतान भी शुरू हो गई है। विपक्षी दल यूपी सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। ऐसे में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार किया। उन्होंने कहा है कि हताश और निराश विपक्ष के बयानवीर नेताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर अग्रसर उत्तर प्रदेश का विकास सुहा नहीं रहा है।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि सपा-बसपा की सरकारों में अपराध और भ्रष्टाचार की गिरफ्त में रहे उत्तर प्रदेश की पहचान पिछड़े प्रदेश के रूप में बन गई थी। आज सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य की भाजपा सरकार ने साढ़े पांच वर्ष के अपने कार्यकाल में भय मुक्त उत्तर प्रदेश का निर्माण किया है। प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बेहतर कानून व्यवस्था और लोक कल्याणकारी योजनाओं की प्रशंसा चारों ओर हो रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि विपक्षी दल के नेता सिर्फ बयानबाजी कर आमजन को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। वे नहीं जानते जनता उनके भ्रम व छलावे को ठीक से समझती है। यही वजह है कि पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों के मिथ्या आरोपों का जवाब जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर दिया है।

महाराष्ट्र कांग्रेस नेता ने लिखा राष्ट्रपति को पत्र

मुलायम सिंह यादव को मिले भारत रत्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के संरक्षक रहे मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से लगातार उन्हें भारत रत्न दिए जाने की मांग उठ रही है। बता दें कि अलग अलग दलों के नेता राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर उन्हें भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं। वहीं, अब महाराष्ट्र कांग्रेस नेता मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर मांग की है कि देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न को मरणोपरांत समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव को दिया जाना चाहिए।

नसीम खान ने अपने पत्र में लिखा कि मुलायम सिंह यादव ने हमेशा ओबीसी से लेकर पिछड़े वर्ग के लिए काम किया, संघर्ष किया और उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा की इसलिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाना चाहिए। महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष खान ने कहा, समाजवादी पार्टी के नेता के निधन पर पूरे देश में शोक है। मैं अनुरोध करता हूं कि उन्हें करोड़ों लोगों की भावनाओं के सम्मान में भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। बता दें कि खान ने प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखकर मुलायम सिंह यादव को भारत रत्न देने की मांग की है।

बलिया में बनेगा मुलायम की याद में सभागार

बलिया से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वीरेंद्र सिंह ने पिछले महीने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की स्मृति में एक सभागार के निर्माण के लिए अपने सांसद कोष से 25 लाख रुपये मंजूर किए थे। प्रस्तावित सभागार का निर्माण बलिया जिला न्यायालय परिसर में किया जाना है और इसका नाम 'धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव संवाद भवन' रखा जाएगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने केंद्रीय रक्षा मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से नेताजी कहते थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।